संपादकीय

अमेरिका की ऐसी चांदी

यूरोप में गहरा रहे ऊर्जा संकट से सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को हो रहा है। प्राकृतिक गैस की आसमान छूती कीमतों के कारण यूरोपीय कंपनियां अपना कारोबार अमेरिका ले जा रही हैं। यूरोप के उद्योग-धंधे चौपट हो रहे हैं।

यूरोप को अमेरिका का सहयोगी बताया जाता है। यूरोप अक्सर अमेरिकी हितों और रणनीति के मुताबिक उसके पीछे-पीछे चल निकलता है। यूक्रेन के मामले में तो उसने ऐसा करने की बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। लेकिन उसकी ये मुसीबत अमेरिका के लिए फायदे की बात बन गई है। यानी जहां यूरोप लुट रहा है, वहीं इसी घटना के कारण अमेरिका की चमक बढ़ रही है। यूरोप में गहरा रहे ऊर्जा संकट से सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को हो रहा है। प्राकृतिक गैस की आसमान छूती कीमतों के कारण यूरोपीय कंपनियां अपना कारोबार अमेरिका ले जा रही हैं। खास कर ऐसा स्टील, उर्वरक और पशु चारा का उत्पादन करने वाली कंपनियों के मामले में देखने को मिला है। कारण यह है कि अमेरिका में ऊर्जा की कीमत यूरोप की तुलना में ज्यादा स्थिर है। इसके अलावा जो बाइडेन प्रशासन ने अमेरिका में कारोबार लगाने वाली कंपनियों के लिए भारी सब्सिडी का एलान किया है। तो यूरोपीय कंपनियां इससे भी आकर्षित हुई हैं।

परिणाम यह है कि कई अर्थशास्त्री यूरोप के डि-इंस्ट्रलियलाइज्ड होने का अंदेशा जता रहे हैं। हालाकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी रिकॉर्ड महंगाई, सप्लाई चेन संबंधी रुकावटों और मंदी की आशंका से जूझ रही है, लेकिन वहां की स्थिति यूरोप से बेहतर है। तो डेनमार्क की जेवरात कंपनी पैंडोरा ए/एस और जर्मनी की ऑटोमोबिल निर्माता कंपनी फॉक्सवॉगन एजी ने बीते हफ्ते अमेरिका में अपना कारोबार बढ़ाने की घोषणा की। उसके पहले टेस्ला ने उसने जर्मनी में बैटरी उत्पादन की योजना रोक दी। उसकी नजर भी अमेरिका पर है। लग्जमबर्ग स्थित इस्पात कंपनी आर्सेलर मित्तल एसए ने इसी महीने जर्मनी स्थित अपने दो कारखानों में उत्पादन घटाने का एलान किया। जबकि अमेरिका के टेक्सस में स्थित उसके लौह उत्पादन कारखाने में अपेक्षा से अधिक उत्पादन हुआ। जानकारों की राय में राय में यूरोप दो वर्षों तक समस्या से घिरा रहेगा। तो कंपनियां अमेरिका जा रही हैं। अब यूरोप के नेताओं के लिए यह सोचने का वक्त है कि उन्होंने यूक्रेन मामले में इतना क्यों गंवाया, जबकि अमेरिका के लिए ये सारा घटनाक्रम कुल मिला कर फायदे का सौदा बन गया है।

तेल तिलहन कीमतों में बीते सप्ताह रहा गिरावट का रुख

नई दिल्ली। विदेशों में खाद्यतेलों का बाजार टूटने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल तिलहन बाजार में खाद्यतेल कीमतों में गिरावट का रुख देखने को मिला। घरेलू बाजार में सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला की नयी फसल आने से खाद्यतेलों के भाव टूटते दिखे और इसका असर बाकी खाद्य तेलों पर भी पड़ा।

बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्यतेलों के बाजार टूटने का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखा और खाद्य तेलों के भाव में गिरावट आई। इसके अलावा सोयाबीन के नये फसल की मंडियों में आवक शुरु होने से भी कीमतों में गिरावट आई है। बिनौला की भी नयी फसल आ गयी है जिससे इसमें गिरावट आई।

हालांकि सूत्रों ने कहा कि विदेशी बाजारों में आई गिरावट के अनुपात में स्थानीय स्तर पर खाद्य तेलों के भाव नहीं टूटे हैं। इसकी वजह यह है कि सरकार ने एक निश्चित मात्रा (सालाना 20-20 लाख टन सूरजमुखी और सोयाबीन तेल) में शुल्क-मुक्त आयात की छूट दी हुई है जिसके बाद होने वाले आयात पर आयातकों को सात रुपये प्रति किलो के हिसाब से शुल्क अदा करना होगा। लेकिन कोटा वाले सस्ते आयातित तेल के मुकाबले बाकी आयातित तेलों के महंगा और गैर-प्रतिस्पर्धी होने के कारण आयातक नये सौदे नहीं खरीद रहे हैं। इस वजह से खाद्य तेलों में कम आपूर्ति (शॉर्ट सप्लाई) की स्थिति पैदा हुई है। इस वजह से देश की मंडियों में खाद्यतेल कीमतों में उतनी गिरावट नहीं आई है जितना विदेशों में खाद्यतेलों में गिरावट आई है।

सूत्रों ने कहा कि सरकार को देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता खत्म करने के लिए अपने इस फैसले को बदलते हुए इन आयातित तेलों पर फिर से 20-30 प्रतिशत का आयात शुल्क लगा देना चाहिये और आयात की कोटा व्यवस्था खत्म कर देनी चाहिए। इससे सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी, किसानों की फसल बाजार में खपेगी और आयात बढ़ने की वजह से खाद्य तेल भी सस्ते होंगे। इससे उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी जो छूट के बाद भी 'शॉर्ट सप्लाई' के कारण पहले के मुकाबले 30-40 रुपये महंगा सूरजमुखी तेल खरीदने को विवश हैं।

उन्होंने कहा कि चार-पांच महीने पूर्व सूरजमुखी तेल का भाव लगभग 2,450 डॉलर प्रति टन था जो अब घटकर 1,300 डॉलर प्रति टन रह गया है। इसी तरह चार-पांच माह पहले पामोलीन तेल का भाव 2,150 डॉलर प्रति टन था जो अब घटकर 850 डॉलर प्रति टन रह गया है। आयातित तेलों के भाव चार-पांच माह पहले के मुकाबले लगभग आधे से भी कम रह गये हैं।

सूत्रों ने कहा कि अगर सरकार को देश में तिलहन उत्पादन नहीं बढ़ाना है तो वह समूची कोटा व्यवस्था को समाप्त करते हुए शून्य शुल्क पर खुले आयात की छूट दे दे। इससे भी स्थिति ठीक हो जाएगी।

भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह डोपिंग के आरोप में 2025 तक सस्पेंड

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह को डोपिंग उल्लंघन के वजह से अक्टूबर 2025 तक प्रतिस्पर्धा से सस्पेंड कर दिया गया है। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, वह प्रतिबंधित पदार्थ मेथेंडिएनोन से पॉजिटिव पाए गए हैं। जो कि प्रदर्शन-बढ़ाने वाले स्टेरॉयड है। इसके बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसीने शिवपाल सिंह को चार साल के लिए निलंबित कर दिया। यह प्रतिबंध 21 अक्टूबर, 2021 से लागू होगा, जिसका आठ यह है कि, 27 वर्षीय यह खिलाड़ी अक्टूबर 2025 तक इस खेल से बाहर रहेगा। उत्तर प्रदेश के रहनेवाले शिवपाल सिंह ने 2019 एशियाई चैंपियनशिप में सिल्वर पदक जीता था, जहां उन्होंने 86.23 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो हासिल किया। वहीं, उन्होंने 2019 विश्व सैन्य खेल भी जीता था।

उल्लेखनीय है कि, शिवपाल सिंह इस साल डोपिंग के जाल में फंसने वाले पांचवें भारतीय एथलीट हैं। इससे पहले, डिस्कस थ्रोअर नवजीत कौर ढिल्लों, धाविका धनलक्ष्मी सेकर और क्वार्टर-मिलर एमआर पूवम्मा और टोक्यो ओलंपियन कमलप्रीत कौर भी डोप टेस्ट में फेल हो गई थी। अब इन सभी को उल्लंघन की वजह से इन प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

सितंबर में बजाज ऑटो की बिक्री दो प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता बजाज ऑटो ने सोमवार को कहा कि सितंबर के महीने में उसकी कुल बिक्री एक साल पहले की तुलना में दो प्रतिशत गिरकर 3,94,747 इकाइयों की रही।

कंपनी ने शेयर बाजारों की दी गई सूचना में कहा कि सितंबर 2021 में उसने कुल 4,02,021 वाहनों की बिक्री की थी।सितंबर 2022 में बजाज ऑटो की कुल दोपहिया वाहन बिक्री चार प्रतिशत गिरकर 3,48,355 इकाई रही जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 3,61,036 इकाई का था।

इसके उलट वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने सितंबर में 46,392 वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री की जो एक साल पहले 40,985 रही थी।

हालांकि बजाज ऑटो का वाहन निर्यात 33 प्रतिशत गिरकर 1,40,083 इकाई पर आ गया। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 2,09,673 वाहनों का निर्यात किया था।

सितंबर में एफपीआई ने की भारतीय बाजार से 7600 करोड़ रु. की शुद्ध निकासी

नई दिल्ली। दो महीने तक शुद्ध लिवाल रहने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर में फिर से बिकवाली पर जोर दिया और भारतीय शेयर बाजारों से 7,600 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर ली।

इसके साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कैलेंडर वर्ष 2022 में अब तक भारतीय बाजारों से कुल 1.68 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है।

जानकारों का मानना है कि आने वाले महीनों में भी एफपीआई की गतिविधियों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला कायम रहने की संभावना है। उन्होंने इसके लिए वैश्विक कारकों के अलावा घरेलू कारणों को भी जिम्मेदार माना है।

कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा, मौजूदा वैश्विक मुद्रास्फीति के बीच ब्रिटिश सरकार की राजकोषीय नीतियों ने वैश्विक मुद्रा बाजार पर गहरा असर डाला है और इक्विटी बाजारों में भी जोखिम से दूर रहने की धारणा बनी है।

उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुमान में आंशिक गिरावट के अलावा ईंधन से संबंधित कुछ चिंताएं भी हैं। डिपॉजिटरी आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने सितंबर में 7,624 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की है। इसके पहले अगस्त में उन्होंने भारतीय बाजार में 51,000 करोड़ रुपये और जुलाई में करीब 5,000 करोड़ रुपये मूल्य की शुद्ध खरीदारी की थी।

हालांकि उसके पहले लगातार नौ महीनों तक एफपीआई भारतीय बाजारों में शुद्ध बिकवाल बने हुए थे। अक्टूबर 2021 से लेकर जून 2022 के दौरान एफपीआई ने भारतीय बाजारों से निकासी ही की।

जहां तक सितंबर 2022 का सवाल है तो एफपीआई ने इस महीने की शुरुआत सकारात्मक अंदाज में ही की थी। मॉर्निंगस्टार इंडिया के सह निदेशक-शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, बाद में रुपये की कीमत में आ रही गिरावट और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने एवं फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ने जैसे कारणों से विदेशी निवेशकों के बीच निराशावादी धारणा हावी होती गई।

ओवरों में गेंदबाजी और बल्लेबाजी करना बेहद कठिन लेकिन हमें सुधार करना होगा: रोहित

गुवाहाटी। रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि टी20 मुकाबलों का नतीजा अधिकतर डेथ ओवरों के दौरान ही निकलता है और भारतीय कप्तान चाहते हैं कि टीम के उनके साथी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करें। वह हालांकि मैच के महत्वपूर्ण चरण में अपनी टीम के लगातार संघर्ष को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं।

बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद भारत ने रविवार को दूसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन विकेट पर 237 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मेहमान टीम ने अंत तक हार नहीं मानी लेकिन भारत ने अंतत: 16 रन की जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ स्वदेश में पहली टी20 श्रृंखला जीत ली।

रोहित ने मैच के बाद कहा, टीम एक निश्चित तरीके से बल्लेबाजी और गेंदबाजी करना चाहती है और हम उन्हें वह आत्मविश्वास देना चाहते हैं। हां, हमने पिछले पांच या छह मैच में डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी नहीं की है। हम विपक्षी टीम के साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, डेथ ओवरों में गेंदबाजी और बल्लेबाजी करना बहुत कठिन होता है। यहीं खेल का फैसला होता है। यह चिंताजनक नहीं है लेकिन हमें सुधार करना होगा और एकजुट होकर खेलना होगा।

भारत के शीर्ष चार बल्लेबाजों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और रोहित ने कहा कि वे अपने अति-आक्रामक दृष्टिकोण को जारी रखना चाहेंगे।

रोहित ने कहा, मैंने पिछले आठ से 10 महीने में देखा है कि खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी ले रहे हैं और टीम के लिए काम कर रहे हैं। बहुत अधिक अनुभव नहीं रखने वाले खिलाडियों ने भी ऐसा किया है।हार से निराश दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने दोष अपने गेंदबाजों पर मढ़ा।

उन्होंने कहा, यह हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था, परिस्थितियां अलग थीं। हम अपनी योजनाओं को अंजाम नहीं दे सके। मुझे लगता है कि हम 220 के स्कोर को चुनौती दे सकते थे लेकिन 240 रन (237 रन) बहुत अधिक थे।

इंग्लैंड ने निर्णायक टी20 में पाकिस्तान को हराकर श्रृंखला 4-3 से जीती

लाहौर। इंग्लैंड ने सातवें और निर्णायक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में रविवार को यहां 67 रन की शानदार जीत के साथ 17 साल में पाकिस्तान के अपने पहले दौरे का अंत जीत के साथ किया और श्रृंखला 4-3 से अपने नाम की।

डेविड मलान (47 गेंद में नाबाद 78) ने श्रृंखला का अपना पहला अर्धशतक बनाया और हैरी ब्रुक ने 29 गेंद में नाबाद 46 रन बनाते हुए टीम का स्कोर तीन विकेट पर 209 रन तक पहुंचाया। पाकिस्तानी क्षेत्ररक्षकों ने इन दोनों के तीन कैच टपकाए जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। मलान ने अपनी पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगाए जबकि ब्रुक ने चार छक्के और एक चौका जड़ा।

पाकिस्तान ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआती दो ओवर में ही दोनों सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (01) और कप्तान बाबर आजम (04) के विकेट गंवा दिए जिससे टीम कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी और अंतत: आठ विकेट पर 142 रन ही बना सकी।

मलान और ब्रुक दोनों के कैच टपकाने वाले बाबर ने क्रिस वोक्स (26 रन पर तीन विकेट) के पहले ही ओवर में कवर पर आसान कैच थमाया जबकि रीस टॉपली (34 रन पर एक विकेट) ने रिजवान बोल्ड किया।

पाकिस्तान की ओर से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए शान मसूद ने इंग्लैंड की अनुशासित गेंदबाजी के सामने 43 गेंद में 56 रन की उम्दा पारी खेली। लेकिन वोक्स के अलावा डेविड विली (22 रन पर दो विकेट), सैम कुरेन (27 रन पर एक विकेट) और टॉपली की धारदार गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान के अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाए।

इंग्लैंड के नियमित टी20 कप्तान जोस बटलर ने दौरे पर एक भी मैच नहीं खेला और पिंडली की चोट को लेकर अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखा।

नागार्जुन की तेलुगु फिल्म द घोस्ट हिंदी में भी होगी रिलीज

साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी अपनी आगामी फिल्म द घोस्ट में बहुत जल्द नजर आएंगे। उनकी यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रवीन सतारू ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। यह फिल्म तेलुगु भाषा में बनी है। खबरों की मानें तो मेकर्स इस फिल्म को तेलुगु के साथ-साथ हिंदी भाषा में भी बड़े पर्दे पर उतारने की तैयारी में हैं। इस संबंध में जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स नागार्जुन अभिनीत द घोस्ट को तेलुगु और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं और प्रोड्यूसर्स इस आइडिया पर काम भी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो तेलुगु वर्जन की रिलीज के एक सप्ताह बाद इस फिल्म को हिंदी दर्शकों के बीच लाया जा सकता है। इसके साथ ही फिल्म को कन्नड़ और मलयालम में भी रिलीज करने की तैयारी चल रही है।

द घोस्ट में नागार्जुन एक इंटरपोल अधिकारी की भूमिका में दर्शकों से रूबरू होंगे। फिल्म में नागार्जुन की जोड़ी अभिनेत्री सोनल चौहान के साथ बनी है। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में गुल पनाग और अनिखा सुरेंद्रन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं। मेकर्स जोर-शोर से इस मल्टीस्टारर फिल्म के प्रमोशन में लग गए हैं। उम्मीद है कि हालिया साउथ फिल्मों की तरह इस फिल्म को देखने के लिए भी दर्शक उमड़ पड़ेंगे।

सामंथा अभिनीत शाकुंतलम 4 नवंबर को होगी रिलीज

निर्देशक गुणशेखर की आने वाली पौराणिक फिल्म शाकुंतलम के निर्माताओं ने शुक्रवार को घोषणा की कि बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक ड्रामा इस साल 4 नवंबर को रिलीज होगा। सामंथा, जो पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय नहीं हैं, ने अपने प्रशंसकों को एक ट्वीट कर आश्चर्यचकित किया, जिसमें लिखा था, 4 नवंबर को आ रही है, शाकुंतलम। प्यार के लिए धन्यवाद। आप हमेशा मेरी ताकत रहे हैं।यह खबर अभिनेत्री के प्रशंसकों को खुश करने के लिए काफी था, जो इस फिल्म की रिलीज का इतनी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि उन्होंने टीम से अपडेट की मांग करना शुरू कर दिया था। दबाव इतना अधिक था कि फिल्म की निर्माता नीलिमा गुना को इस साल अगस्त में एक स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा कि फिल्म पर पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेज गति से चल रहा है।

आज का राशिफल

मेष : आज इच्छित कार्य पूर्ण होंगे। आप व्यस्त रहने से थकान महसूस कर सकते हैं। अपनी दिनचर्या को संतुलित तथा व्यवस्थित बनाकर रखें, जिससे अधिकतर घरेलू काम समय पर पूरे होते जाएंगे। बच्चों को समय दें।

वृष : आज मनोवांछित फल प्राप्त होगा।समय की कोई कमी नहीं रहेगी।व्यवसायिक तौर पर ग्रह स्थितियां आपके पक्ष में हैं। कार्यप्रणाली में कुछ बदलाव संबंधी योजनाएं बन सकती है। तरक्की के भी उचित अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन : आज भाग्य आपके मनोनुकूल रहेगा। समय पर कार्य सम्पन्न होंगे। कुछ समय खुद के लिए भी बीताएं। इससे आपको शारीरिक और मानसिक ताजगी के साथ ऊर्जा भी मिलेगी।

कर्क : आज आपका सामाजिक दायरा और पारिवारिक सम्बंध यश को बढाएंगे।कार्यक्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियो के सामने आपकी ही यशोगाथा रहेगी। आपका कोई कर्मचारी साथी आपकी योजना को लीक कर सकता है।

सिंह : आपकी ऊर्जा आज आपका भरपूर साथ देगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों का आप बखूबी निर्वाह करेंगे। आपका उदारवादी व सहायक दृष्टिकोण सामाजिक कार्यों में एक बेहतरीन मिसाल के रूप में सामने आएगा।

कन्या : आज आपका मनोबल बढेगा। शत्रु पक्ष परास्त होंगे। लेकिन सावधानी फिर भी रखनी पडेगी। कोई भी व्यापारिक नया काम आज न शुरू करें तो सही है। आज स्थिति अधिक आपका साथ देगी है।

तुला : आज आध्यात्मिक कार्यो में रूचि और बढेगी। आप अधिकतर समय धार्मिक तथा सामाजिक संबंधी सहयोगात्मक कार्य में व्यतीत होगा। गुप्त विद्याओं के प्रति भी आपका विशेष रुझान हो रहा है।

वृश्चिक : आज आप अधिकतर समय व्यस्त रहने में व्यतीत होगा। अपने कुछ नजदीकी और विश्वसनीय मित्रों के साथ अपने कामकाज संबंधी विचार-विमर्श अवश्य करें। आपको बेहतरीन मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

धनु : आज किस्मत आपके साथ है। व्यवसायिक विकास के लिए किसी प्रभावशाली व्यक्ति का साथ तथा आपके राजनीतिक संपर्क बहुत अधिक लाभदायक साबित होने वाले हैं। विद्यार्थियों का मन विद्या ग्रहण करने में लगेगा। स्वास्थ्य लाभ होगा।

मकर : आज मन की सुने और खुश रहें। अपने कार्यों से संबंधित नीतियों पर दोबारा विचार करके उनमें और अधिक सुधार लाने की कोशिश करें सफलता आपका इंतजार कर रही है। आपको सकारात्मक परिणाम अवश्य हासिल होंगे।

कुंभ : आप आपकी सकारात्मक सोच आपको ऊँचाइयों तक ले जाएगी। अपना पूर्ण ध्यान अपने कार्यस्थल पर केंद्रित रखें तथा दूसरों की सलाह की अपेक्षा अपने विचारों को ही प्राथमिकता दें क्योंकि ऐसा करने से वहाँ भी सफल आप ही होंगे।

मीन : आज आप शान्तिपूर्ण तरिके से समय बिता पाएंगे। कोई भी काम करने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोच-विचार अवश्य करें। इससे परिस्थितियां पूर्णता आपके पक्ष में हो जाएगी।

बनाएं लाजवाब 'गोभी, गाजर, शलजम का अचार'

सर्दियों में कई तरह के अचार मिलते हैं जिनसे आप जायकेदार अचार तैयार कर सकते हैं। ऐसा ही एक टेस्टी अचार बना सकते हैं आप गोभी, गाजर और शलजम की मदद से। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री :

1 किलो फूलगोभी बड़े-बड़े आकार में कटी, 1 किलो शलजम छीलकर 1/4 इंच टुकड़ों में कटा, 1/2 किलो गाजर छीलकर लंबे टुकड़ों में कटा, 3 कप सरसों का तेल, 250 ग्राम लहसुन कुटा हुआ, 250 ग्राम अदरक मोटा कटा हुआ, 1/2 कप नमक, 4 बड़े चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 750 ग्राम गुड़ कसा हुआ, 1 1/2 कप माल्ट सिरका, 2 बड़े चम्मच सरसों मोटी पिसी और 2 बड़े चम्मच गरम मसाला पाउडर

विधि :

- कटी सब्जियों को 6-7 घंटे धूप में छोड़ दें।
- गरम तेल में लहसुन गोल्डन तल कर निकाल लें।
- उसी तेल में अदरक भूनें।
- फिर सारी सब्जियों और तला हुआ लहसुन डालकर भूनें।
- 10-15 मिनट बाद जब सब्जियां पूरी तरह से सूख जाएं, आंच से उतार लें।
- पैन में सिरका व गुड़ पकाएं।
- ठंडा होने पर सरसों और गरम मसाला मिलाकर सब्जियों में मिला लें।
- लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर साफ बरनी में रख दें।
- 10-15 दिन धूप में रख दें।

शब्द सामर्थ्य- 213

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

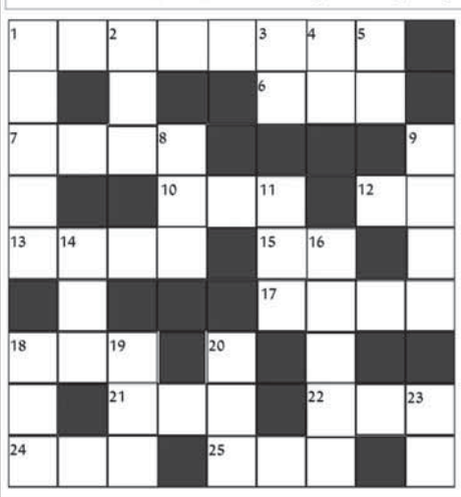

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 212 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सू-दोकू- 213

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.212 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6